

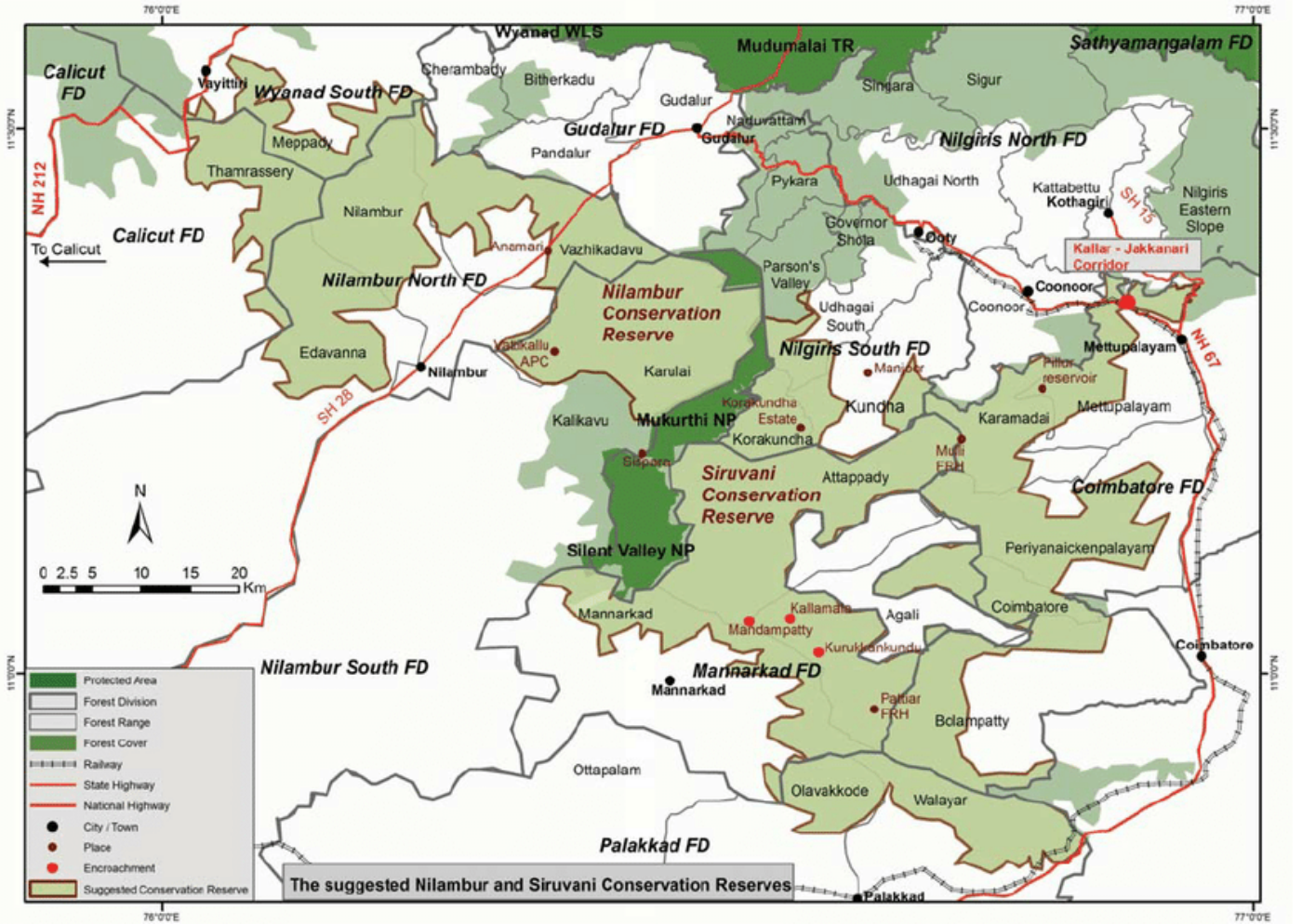
Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 25 सतिंबर, 2023

मुकुरथी राष्ट्रिय उद्यान में तलाशी अभियान

हाल ही में वन विभाग तमलिनाडु के मुकुरथी राष्ट्रिय उद्यान और आसपास के वन क्षेत्रों में तलाशी अभियान चला रहा है ताकयिह सुनिश्चित कया जा सके की लोगों एवं शकारियों की कोई अवैध आवाजाही न हो।

- मुकुरथी राष्ट्रिय उद्यान **पश्चिमी घाट** में तमलिनाडु के उत्तर-पश्चिमी कोने में स्थित है।
- यह **मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य**, बांदीपुर राष्ट्रिय उद्यान, नागरहोल राष्ट्रिय उद्यान, वायनाड वन्यजीव अभयारण्य और साइलेंट वैली के साथ **नीलगरि बायोस्फीयर रिजर्व (UNESCO विश्व धरोहर स्थल)** का एक भाग है।
- **कीस्टोन प्रजाति**: उद्यान का निर्माण इसकी कीस्टोन प्रजाति, **नीलगरि तहर** की रक्षा के लिये कया गया था।
- **वन प्रकार**: उद्यान की विशेषता उच्च वर्षा, लगभग शून्य तापमान एवं तेज वायु वाले अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्र में शोला वनों से **घसिरवतीय घास के मैदान और झाड़ियाँ** हैं।
- **शखिर/चोटियाँ**: उद्यान **मुकुरथी पीक** का भी क्षेत्र है, जो नीलगरि पहाड़ियों की सबसे ऊँची चोटियों में से एक है।
- **उद्यान के क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाली जनजातियाँ**: **टोडा** (नीलगरि पहाड़ियों की एक देहाती जनजाति)।

//



उत्तर प्रदेश में नवजात टीकाकरण की नगिरानी

हाल ही में उत्तर प्रदेश में नवजात टीकाकरण (पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिये) की नयित तारीखों की गणना करने में फ्रंट-लाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सहायता हेतु **टीकाकरण चक्र** नामक एक उपकरण लॉन्च किया गया है।

- **इम्यूनाइजेशन व्हील** जैसे हडि में **टीकाकरण चक्र** कहा जाता है, **क्लटिन हेल्थ एक्सेस इनशिएटिवि (CHAI)** के तहत **क्लटिन फाउंडेशन** द्वारा विकसित और वित्त पोषित एक साधारण प्लास्टिक लेमिनेटेड कार्डबोर्ड निर्माण है।
- इसमें दो डसिक होती हैं, एक को दूसरे के ऊपर रखा जाता है, जिसमें एक डसिक दूसरे से बड़ी होती है और एक कील से जुड़ी होती है। छोटी डसिक में टीकों और तीरों के डटिल्स बने हैं; बड़ी डसिक में दिनों व महीनों वाला एक कैलेंडर होता है।
- स्वास्थ्य कार्यकर्ता बच्चे के जन्म को आशा डायरी (**ASHA diary**) में दर्ज करते हैं। वे प्रथम टीके से जन्मतथिका मलान करने के लिये चक्र का उपयोग करते हैं और अन्य तथियाँ तदनुसार संरेखित हो जाती हैं।

और पढ़ें: [मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन](#)

भारत, इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास

- भारतीय नौसेना के युद्धपोत, आई.एन.एस. सहयादरि ने 20-21 सितंबर, 2023 तक रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना (RAN) और इंडोनेशियाई नौसेना के साथ आयोजित **पहले त्रिपक्षीय समुद्री साझेदारी अभ्यास** में भाग लिया।
 - इस अभ्यास से तीनों देशों के मध्य साझेदारी को मजबूत करने और एक स्थिर, शांतपूरण एवं सुरक्षित **हिंद-प्रशांत क्षेत्र** का समर्थन करने के लिये सामूहिक क्षमता में सुधार हुआ।
- आई.एन.एस. सहयादरि, **स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किया गया और निर्मित प्रोजेक्ट-17 श्रेणी के मल्टीरोल स्टीलथ फ्रिगट्स का तीसरा जहाज़ है**, इसका निर्माण 'मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लमिटेड' (मुंबई) में किया गया था।
 - **प्रोजेक्ट 17 श्रेणी**, जिसे **शवालिकि श्रेणी** के नाम से भी जाना जाता है। ये भारत में निर्मित पहले स्टीलथ युद्धपोत थे।
 - शवालिकि रूसी, भारतीय और पश्चिमी हथियार व सेंसर सिस्टम का मशिरण है।

काओबल गली-मुश्कोह घाटी

- कभी कारगलि युद्ध के दौरान रणभूमि रही **काओबल गली-मुश्कोह घाटी** को पर्यटकों के लिये खोल दिया गया है। इसका पूरा श्रेय भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी युद्धविराम समझौते को दिया जाता है, ऐसे में यह आशा है कि इस क्षेत्र में पर्यटन-संचालित वाणजिय में वृद्धि देखी जा सकेगी।
- उत्तरी कश्मीर में स्थित **गुरेज़ घाटी**, जहाँ कभी पाकिस्तान की ओर से अक्सर गोलाबारी के मामले सामने आते रहते थे, **कारगलि के द्रास सेक्टर** (लद्दाख) में स्थित **मुश्कोह घाटी** से जुड़ने के लिये पूरी तरह तैयार है।
 - 130 किलोमीटर लंबी सड़क पर्यटकों और 'काओबल गली' के लिये खोल दी गई है। **गुरेज़ में 4,166.9 मीटर की ऊँचाई वाला सबसे ऊँचा दर्रा इन दो घाटियों को जोड़ता है।**
 - गुरेज़ घाटी **नयितरण रेखा (LoC)** के करीब है और **कशिनगंगा नदी** कई स्थानों पर इस रेखा का सीमांकन करती है।
 - गुरेज़ घाटी में बसे गाँव-बस्तियाँ उनमें से एक है जहाँ केवल लॉग हाउस, अर्थात् लकड़ी से बने घर पाए जाते हैं, इसके निर्माण में शहरी क्षेत्रों में प्रयोग किये जाने वाले कंक्रीट सामग्री का बलिकूल प्रयोग नहीं किया जाता है।